भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: †5579
04 अप्रैल, 2025 को उत्तर देने के लिए

कोरोना के बाद मृत्यु के बढ़ते मामले

†5579. श्री अनिल यशवंत देसाईः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने कोरोना काल के बाद युवाओं में मृत्यु की बढ़ती संख्या पर कोई अध्ययन किया है या कोई अध्ययन रिपोर्ट प्राप्त की है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में आम आदमी को किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए क्या सावधानियां बरती जानी चाहिए;

(ख) क्या जिम में व्यायाम करते समय या कोई खेल खेलते समय युवाओं की असामयिक मृत्यु के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हो रही है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार द्वारा इस संबंध में अतिरिक्त सावधानी बरतने तथा कुछ विशेष दवाओं की सलाह देने के लिए कोई विशेष दिशानिर्देश जारी किए गए हैं और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया है कि आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (एनआईई) ने मई-अगस्त 2023 के दौरान भारत के 19 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 47 तृतीयक देखभाल अस्पतालों में "भारत में 18-45 वर्ष की आयु के वयस्कों में अस्पष्टीकृत आकस्मिक मृत्यु से जुड़े कारक - एक बहुकेंद्रित मैच्ड केस-कंट्रोल अध्ययन" शीर्षक से एक अध्ययन किया। केस बिना किसी ज्ञात सह-रुग्णता के प्रकट रूप से स्वस्थ व्यक्ति थे, जिनकी 1 अक्टूबर 2021-31 मार्च 2023 के दौरान अचानक (अस्पताल में भर्ती होने के 24 घंटे से कम समय में या मृत्यु से 24 घंटे पहले प्रकट रूप से स्वस्थ देखे गए) अस्पष्टीकृत कारणों से मृत्यु हो गई। आयु, लिंग और पड़ोस के लिए मिलान किए गए प्रत्येक केस के लिए चार कंट्रोल शामिल किए गए। कोविड-19 टीकाकरण/संक्रमण, कोविड-19 के बाद की स्थिति, आकस्मिक मृत्यु का पारिवारिक इतिहास, धूम्रपान, मनोरंजन के लिए नशीली दवाओं का उपयोग, शराब पीने की आवृत्ति, अत्यधिक शराब पीने और मृत्यु से दो दिन पहले अत्यधिक तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि के संबंध में मामलों/साक्षात्कार किए गए कंट्रोल के बीच डेटा के संबंध में जानकारी एकत्र की गई।

विश्लेषण में कुल 729 मामले और 2916 कंट्रोल शामिल किए गए थे। यह पाया गया कि कोविड-19 वैक्सीन की कोई भी खुराक को लेने से अस्पष्टीकृत आकस्मिक मृत्यु की संभावना कम हो गई। कोविड-19 वैक्सीन की दो खुराक लेने से आकस्मिक मृत्यु की संभावना काफी कम हो गई। कोविड-19 के कारण पूर्व में

अस्पताल में भर्ती होना, आकस्मिक मृत्यु का पारिवारिक इतिहास, मृत्यु/साक्षात्कार से 48 घंटे पहले अत्यधिक शराब पीना, मनोरंजन के लिए नशीली दवा/पदार्थ का उपयोग करना तथा मृत्यु/साक्षात्कार से 48 घंटे पहले अत्यधिक तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि करने से अचानक मृत्यु की संभावना बढ़ी हुई पाई गई।

इसलिए, अध्ययन में पाया गया कि कोविड-19 टीकाकरण से भारत में युवा वयस्कों में आकस्मिक मृत्यु का जोखिम नहीं बढ़ा। कोविड-19 के कारण पूर्व में अस्पताल में भर्ती होना, आकस्मिक मृत्यु का पारिवारिक इतिहास और कुछ जीवनशैली संबंधी व्यवहारों के कारण आकस्मिक मृत्यु की संभावना बढ़ जाती है।

भारत सरकार का स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हिस्से के रूप में असंचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए उचित स्तर की स्वास्थ्य सेवा सुविधा हेतु रेफरल और हृदय संबंधी बीमारियों सहित एनसीडी की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है। एनपी-एनसीडी के अंतर्गत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 372 जिला डे केयर सेंटर, 233 कार्डियक केयर यूनिट और 6410 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के एक हिस्से के रूप में हृदय संबंधी बीमारियों सहित आम असंचारी रोगों की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इन आम असंचारी रोगों की जांच सेवा डिलीवरी का एक अभिन्न अंग है।

इसके अलावा, हृदय रोगों सहित एनसीडी के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए पहलों में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस और विश्व हृदय दिवस मनाना, निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है। हृदय रोगों सहित एनसीडी के लिए जागरूकता पैदा करने वाली गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत वित्तीय सहायता राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार प्रदान की जाती है।

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) के "ईट राइट इंडिया मूवमेंट" के माध्यम से स्वस्थ भोजन को बढ़ावा दिया जाता है। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा "फिट इंडिया मूवमेंट" को क्रियान्वित किया जाता है। आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

*****